

एच.जी.वी.एम.एस

डिजिटल सुशासन के माध्यम से होम गार्ड्स स्वयंसेवक प्रबंधन में बदलाव

संपादित : सुषमा मिश्रा



आधुनिक शासन व्यवस्था में प्रशासनिक कार्यों के बढ़ते दायरे और जटिलता को देखते हुए ऐसे एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म की आवश्यकता है, जो दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित कर सकें। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (एनआईसी) हिमाचल प्रदेश ने हिमाचल प्रदेश होम गार्ड्स विभाग के लिए होम गार्ड्स वॉलंटियर्स मैनेजमेंट सिस्टम (एच.जी.वी.एम.एस) का डिजाइन एवं विकास किया है। यह प्रणाली राज्यभर में होम गार्ड्स स्वयंसेवकों के संपूर्ण जीवनचक्र प्रबंधन हेतु एक व्यापक डिजिटल समाधान के रूप में विकसित की गई है।

यह प्लेटफॉर्म एच.जी.वी.एम.एस पोर्टल (<https://hgvm.s.hp.gov.in/>) के माध्यम से उपलब्ध है। इसका औपचारिक शुभारंभ 22 मार्च 2026 को माननीय मुख्यमंत्री श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह एवं राजस्व) श्री कमलेश कुमार पंत, पुलिस महानिदेशक (होम गार्ड्स) श्रीमती सतवंत अटवाल, निदेशक-सह-पदेन विशेष सचिव (राजस्व एवं आपदा प्रबंधन) श्री डी.सी. राणा, उप महानिदेशक एवं राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी, एनआईसी हिमाचल प्रदेश श्री अजय सिंह चहल सहित होम गार्ड्स विभाग और एनआईसी हिमाचल प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एच.जी.वी.एम.एस को एक एंड-टू-एंड वर्कफ्लो आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में परिकल्पित किया गया है, जिसका



होम गार्ड्स वॉलंटियर्स मैनेजमेंट सिस्टम (एच.जी.वी.एम.एस) हिमाचल प्रदेश में होम गार्ड्स स्वयंसेवकों के प्रभावी प्रबंधन हेतु एनआईसी हिमाचल प्रदेश द्वारा विकसित एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है। यह प्रणाली नामांकन, तैनाती, उपस्थिति तथा मानदेय प्रबंधन जैसी प्रक्रियाओं को एक केंद्रीकृत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से सुव्यवस्थित करती है, जिससे सभी हितधारकों के बीच पारदर्शिता, जवाबदेही तथा त्वरित समन्वय सुनिश्चित होता है।



उद्देश्य होम गार्ड्स स्वयंसेवकों की तैनाती एवं प्रबंधन में समन्वय, पारदर्शिता तथा परिचालन दक्षता को सुदृढ़ करना है। यह पहल प्रशासनिक प्रक्रियाओं को मजबूत बनाने और डेटा-आधारित सुशासन को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण सहयोगात्मक प्रयास को दर्शाती है।

डिजिटल रूपांतरण की आवश्यकता को समझना

हिमाचल प्रदेश में होम गार्ड्स संगठन कानून प्रवर्तन एजेंसियों, आपदा प्रतिक्रिया अभियानों, सार्वजनिक सुरक्षा प्रबंधन तथा विभिन्न सरकारी गतिविधियों को सहयोग प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। स्वयंसेवकों पर आधारित इस व्यापक तंत्र के प्रबंधन के लिए मुख्यालय, बटालियन कमांडेंट्स, मांग प्रस्तुत करने वाले विभागों तथा होम गार्ड्स स्वयंसेवकों के बीच निरंतर समन्वय आवश्यक होता है।

डिजिटलीकरण से पूर्व स्वयंसेवकों के नामांकन, तैनाती अनुमोदन, उपस्थिति संधारण तथा मानदेय प्रसंस्करण जैसी अनेक परिचालन प्रक्रियाएँ मुख्यतः मैनुअल थीं और विभिन्न प्रशासनिक

स्तरों पर संचालित होती थीं। इन प्रक्रियाओं के कारण प्रायः विलंब, अभिलेखों की पुनरावृत्ति तथा परिचालन गतिविधियों की प्रभावी निगरानी में कठिनाइयाँ उत्पन्न होती थीं।

विभागीय हितधारकों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि एक ऐसे केंद्रीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म की आवश्यकता है, जो सभी परिचालन वर्कफ्लो को एकीकृत डिजिटल तंत्र में समाहित कर सके। उद्देश्य केवल अभिलेखों का डिजिटलीकरण करना नहीं था, बल्कि एक ऐसी पारदर्शी एवं स्केलेबल प्रणाली विकसित करना था, जो प्रभावी प्रशासन तथा रियल-टाइम निगरानी को सक्षम बना सके।

इसी दृष्टि के साथ एनआईसी हिमाचल प्रदेश ने एच.जी.वी.एम.एस को एक एकीकृत प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया, जो होम गार्ड्स स्वयंसेवकों के संपूर्ण जीवनचक्र प्रबंधन—नामांकन से लेकर मानदेय वितरण तक—को समाहित करता है।

एंड-टू-एंड वर्कफ्लो स्वचालन

एच.जी.वी.एम.एस के विकास के दौरान प्रमुख उद्देश्यों में से एक यह सुनिश्चित करना था कि सभी महत्वपूर्ण परिचालन प्रक्रियाएँ संरचित डिजिटल वर्कफ्लो के माध्यम से एकीकृत हों। इसी कारण प्रणाली को अनेक परस्पर संबद्ध मॉड्यूल के साथ विकसित किया गया, ताकि प्रशासनिक कार्यों का निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

मास्टर डेटा प्रबंधन

यह प्रणाली स्वयंसेवकों, बटालियनों, प्रशासनिक इकाइयों तथा मांग प्रस्तुत करने वाले विभागों से संबंधित केंद्रीकृत मास्टर अभिलेखों का संधारण करती है। मानकीकृत डेटा प्रबंधन प्लेटफॉर्म में एकरूपता और सटीकता सुनिश्चित करता है।

होम गार्ड्स स्वयंसेवक नामांकन

नामांकन मॉड्यूल स्वयंसेवकों के डिजिटल पंजीकरण तथा अभिलेख प्रबंधन की सुविधा प्रदान करता है। इससे मैनुअल कागजी कार्य में उल्लेखनीय कमी आती है तथा स्वयंसेवकों की जानकारी के त्वरित प्रसंस्करण और सत्यापन को बढ़ावा मिलता है।

चरित्र विवरण प्रबंधन

यह प्लेटफॉर्म स्वयंसेवकों के चरित्र विवरण तथा सेवा-संबंधी सूचनाओं के सुरक्षित डिजिटल प्रबंधन की सुविधा प्रदान करता है, जिससे अभिलेखों का प्रभावी संधारण एवं पुनर्प्राप्ति संभव हो पाती है।

प्रशिक्षण प्रबंधन

परिचालन तत्परता और क्षमता निर्माण को सुदृढ़ करने में प्रशिक्षण एक महत्वपूर्ण घटक है। यह प्रणाली प्रशिक्षण कार्यक्रमों,



संजय कुमार
वरिष्ठ तकनीकी निदेशक
sanjay.kmr@nic.in



विनोद कुमार गर्ग
वरिष्ठ तकनीकी निदेशक
vinod.garg@nic.in



मंगल सिंह
वैज्ञानिक - डी
s.mangal@nic.in

सहभागिता विवरणों तथा पूर्णता अभिलेखों के प्रबंधन हेतु संरचित डिजिटल वातावरण उपलब्ध कराती है।

मांग प्रस्तुत करने वाले विभागों का ऑनबोर्डिंग

विभिन्न सरकारी विभाग एवं एजेंसियाँ समय-समय पर अपनी परिचालन आवश्यकताओं के लिए होम गार्ड्स स्वयंसेवकों की मांग प्रस्तुत करती हैं। एच.जी.वी.एम.एस.ए.एस. जैसे विभागों के लिए सुव्यवस्थित ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया उपलब्ध कराता है, जिससे मानकीकृत डिजिटल संवाद सुनिश्चित होता है।

मांग प्रबंधन

मांग प्रबंधन मॉड्यूल तैनाती अनुरोधों के ऑनलाइन प्रस्तुतिकरण, अनुमोदन तथा निगरानी को सक्षम बनाता है। इससे प्रशासनिक विलंब में कमी आती है और विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय बेहतर होता है।

ड्यूटी आदेश प्रबंधन

ड्यूटी आवंटन एवं तैनाती आदेश प्रणाली के माध्यम से डिजिटल रूप से जारी किए जाते हैं, जिससे पारदर्शिता बढ़ती है तथा समयबद्ध संचार सुनिश्चित होता है।

उपस्थिति प्रबंधन

उपस्थिति रिकॉर्डिंग एवं निगरानी को डिजिटल वर्कफ़्लो के माध्यम से सुव्यवस्थित किया गया है, जिससे स्वयंसेवकों की तैनाती और ड्यूटी निष्पादन की सटीक ट्रैकिंग संभव हो पाती है।

वेतन एवं मानदेय प्रबंधन

यह प्लेटफ़ॉर्म वेतन एवं मानदेय प्रसंस्करण को भी स्वचालित बनाता है, जिससे भुगतान प्रबंधन में विलंब कम होता है तथा पारदर्शिता बढ़ती है। होम गार्ड्स स्वयंसेवक प्रणाली के माध्यम से अपनी तैनाती स्थिति, उपस्थिति तथा भुगतान संबंधी जानकारी को रियल-टाइम में देख सकते हैं।

पारदर्शिता और परिचालन दक्षता को

सुदृढ़ बनाना

एच.जी.वी.एम.एस. के विकास के दौरान प्रमुख फोकस सभी प्रशासनिक स्तरों पर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना था। यह प्रणाली परिचालन संबंधी सूचनाओं का एक केंद्रीकृत भंडार उपलब्ध कराती है, जिससे प्राधिकरण गतिविधियों की अधिक प्रभावी निगरानी कर सकते हैं।

डिजिटल वर्कफ़्लो खंडित मैनुअल अभिलेखों पर निर्भरता

▼ चित्र 7.1: माननीय मुख्यमंत्री श्री सुखविंदर सिंह द्वारा होम गार्ड वॉलंटियर्स मैनेजमेंट सिस्टम का शुभारंभ



को न्यूनतम करते हैं तथा त्रुटियों और असंगतियों की संभावनाओं को उल्लेखनीय रूप से कम करते हैं। मांग प्रस्तुत करने से लेकर उपस्थिति रिकॉर्डिंग और मानदेय निर्माण तक प्रत्येक चरण का डिजिटल रूप से ट्रैकिंग एवं ऑडिट किया जा सकता है।

यह प्लेटफ़ॉर्म प्रशासकों को रिपोर्ट तैयार करने, तैनाती प्रवृत्तियों का विश्लेषण करने तथा परिचालन गतिविधियों की रियल-टाइम निगरानी की सुविधा भी प्रदान करता है। ये क्षमताएँ प्रशासन के विभिन्न स्तरों पर अधिक त्वरित और सूचित निर्णय लेने में सहायता करती हैं।

होम गार्ड्स स्वयंसेवकों के लिए यह प्लेटफ़ॉर्म तैनाती विवरण तथा भुगतान स्थिति की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराकर अधिक पारदर्शिता और पहुंच सुनिश्चित करता है। इससे प्रशासन और स्वयंसेवकों के बीच विश्वास तथा संवाद दोनों मजबूत होते हैं।

प्रौद्योगिकी संरचना और प्रणाली डिज़ाइन

प्रौद्योगिकी के दृष्टिकोण से एच.जी.वी.एम.एस. को स्केलेबिलिटी, सुरक्षा और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधुनिक माइक्रोसर्विसेज आधारित आर्किटेक्चर पर विकसित किया गया है।

यह प्लेटफ़ॉर्म एक सख्त माइक्रोसर्विसेज आर्किटेक्चर का पालन करता है, जिसमें प्रत्येक व्यावसायिक क्षमता को एक स्वतंत्र सेवा के रूप में लागू किया गया है। यह मॉड्यूलर दृष्टिकोण रखरखाव, स्केलेबिलिटी तथा लचीलेपन को बेहतर बनाता है और भविष्य के उन्नयन एवं एकीकरण को सरल करता है।

पूरे प्लेटफ़ॉर्म को डॉकर प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए कंटेनरीकृत किया गया है तथा लिनक्स सर्वरों पर एन.जी.आई.एन.एक्स. (ओपनरेस्टी) रिवर्स प्रॉक्सी अवसंरचना के पीछे परिनियोजित किया गया है। बाहरी उपयोगकर्ता ट्रैफिक सुरक्षित एच.टी.टी.पी.एस. चैनलों के माध्यम से एन.जी.आई.एन.एक्स. में प्रवेश करता है, जो अनुरोधों को बुद्धिमतापूर्वक उपयुक्त फ्रंटएंड और बैकएंड कंटेनरों तक मार्गित करता है।

सेवाएँ सुरक्षित आर.ई.एस.टी.पी.आई. के माध्यम से एक-दूसरे से संवाद करती हैं, जिससे पूरे तंत्र में सुरक्षित एवं निर्बाध डेटा विनिमय सुनिश्चित होता है।

यह आर्किटेक्चर अनेक परिचालन एवं तकनीकी लाभ प्रदान करता है :

- बेहतर स्केलेबिलिटी और प्रदर्शन
- त्रुटियों का बेहतर पृथक्करण और विश्वसनीयता

- सरल परिनियोजन और रखरखाव
- संसाधनों का अधिक प्रभावी उपयोग
- सुरक्षित और उच्च उपलब्धता वाली परिचालन व्यवस्था
- भविष्य के विस्तार और एकीकरण के लिए लचीलापन

कंटेनरीकृत परिनियोजन मॉडल पोर्टेबिलिटी और प्रभावी अवसंरचना प्रबंधन भी सुनिश्चित करता है, जिससे यह प्लेटफ़ॉर्म बदलती परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप अनुकूलित किया जा सकता है।

डेटा-आधारित सुशासन को सहयोग

एच.जी.वी.एम.एस. को केवल एक परिचालन अनुप्रयोग के रूप में नहीं, बल्कि प्रशासकों और नीति-निर्माताओं के लिए निर्णय-सहायक प्लेटफ़ॉर्म के रूप में भी डिज़ाइन किया गया है।

केंद्रीकृत डेटाबेस और एनालिटिक्स-सक्षम वर्कफ़्लो तैनाती प्रवृत्तियों, उपस्थिति पैटर्न, स्वयंसेवक उपयोग तथा भुगतान प्रसंस्करण से संबंधित महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टियाँ प्रदान करते हैं। ऐसी जानकारीयें बेहतर योजना निर्माण, संसाधन अनुकूलन तथा परिचालन निगरानी में सहायता करती हैं।

प्रणालीगत गतिविधियों की रियल-टाइम दृश्यता प्राधिकरणों को अवरोधों की शीघ्र पहचान करने और प्रशासनिक प्रतिक्रिया क्षमता को बेहतर बनाने में सक्षम बनाती है। इस प्रकार यह प्लेटफ़ॉर्म डेटा-आधारित निर्णय प्रक्रिया तथा एकीकृत डिजिटल प्रशासन के माध्यम से सुशासन को सुदृढ़ बनाने में योगदान देता है।

भविष्य की रूपरेखा

भविष्य की रूपरेखा में स्वयंसेवकों के लिए मोबाइल एप्लीकेशन, एसएमएस एवं व्हाट्सएप सूचनाएं, जीआईएस आधारित तैनाती ट्रैकिंग, बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली तथा एआई आधारित एनालिटिक्स डैशबोर्ड जैसी सुविधाओं को शामिल करने की योजना है। इसके अतिरिक्त, स्टेट ट्रेजरी सिस्टम, ई-ऑफिस एकीकरण तथा आपदा प्रतिक्रिया कमांड डैशबोर्ड का समावेशन भी प्रस्तावित है, जिससे प्रशासनिक दक्षता और आपदा प्रबंधन क्षमताओं को और सशक्त बनाया जा सके।

निष्कर्ष

एच.जी.वी.एम.एस. का विकास हिमाचल प्रदेश होम गार्ड्स विभाग तथा एनआईसी हिमाचल प्रदेश के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है, जिसका उद्देश्य एक आधुनिक, सुरक्षित एवं दक्ष डिजिटल गवर्नेस प्लेटफ़ॉर्म तैयार करना है। इस प्रणाली को विभागीय कार्यप्रवाह को सरल बनाने, पारदर्शिता बढ़ाने, मैनुअल प्रक्रियाओं को कम करने तथा विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। स्केलेबल एवं वर्कफ़्लो-आधारित आर्किटेक्चर पर निर्मित यह प्रणाली हिमाचल प्रदेश में होम गार्ड स्वयंसेवकों के प्रबंधन एवं तैनाती को अधिक प्रभावी बनाने के साथ-साथ राज्य की डिजिटल गवर्नेस की परिकल्पना को भी सशक्त करेगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

राज्य सूचना अधिकारी

एनआईसी हिमाचल प्रदेश राज्य केंद्र
छठी मंजिल, आर्म्सडिल बिल्डिंग, हिमाचल प्रदेश सचिवालय
शिमला, हिमाचल प्रदेश - 171002
ई-मेल: sio-hp@nic.in, फोन: 0177 - 2624045